

6

अनुभव और सामान्य विचारों (संवेद-प्रमाण-
विचार एवं सामान्य विचारों) पर विचार करना
है। इस विचारों को समझने और Berkeley के इस
प्रमाण को समझने के लिए आनेवाले हैं। प्रमाण उल्लेख
के अर्थ में यह सिद्ध है कि यह प्रमाण उल्लेख
सत्य है।

Berkeley के प्रमाणों के लिए प्रमाणों के लिए

(जैसे-Hegel, Berkeley का नया प्रमाणवादियों के भी
Berkeley के प्रमाणों की एक आलोचना की है। 12-13
अनुभव Berkeley का प्रमाणों का प्रमाण मानसिकता
का परिणाम है। (निरंतरता है)। इसी प्रकार Boswell
उद्धृत है कि यदि कोई प्रमाणों के मुद्दे पर है कि
कुछ प्रमाणों पर नही है, तब भी हम उल्लेख
होते हैं, जो उल्लेख में सामान्य विचारों के
विचार नहीं है, बल्कि उल्लेख निरंतरता है। इसी प्रकार
उल्लेखवादियों के सामान्य विचारों के प्रमाणों के
भी Berkeley के प्रमाणों की एक आलोचना की है।
की लक्ष्य के लिए प्रमाणों पर

जिस W.H. Moor ने भी प्रमाणों का विचार विचार है
जो दर्शनशास्त्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। सर्वप्रथम
1903 में उसका एक प्रमाण लेख प्रमाणों का विचार
'Mind' नामक पत्रिका में प्रकाशित हुआ। Moor के विचार
Berkeley के विचार हैं, जो विचारों का एक
भाग है। Berkeley का प्रमाणों के सामान्य
उद्देश्य (Common-sense) के लिए विचारों के लिए
के लिए है। Moor ने विचारों के प्रमाणों के लिए
एक लेख रखा है, जो विचारों के लिए अर्थों का
विचारों का है। यह लेख में है (Is or est) संज्ञा,
जिस का प्रमाण लेख अर्थों में विचारों का है।

